

मैदान पुं. (फा.) 1. ऐसा विस्तृत व खुला स्थान जहाँ किसी प्रकार की वास्तु-रचना व वृक्षादि न हो 2. समतल भूमि 3. खेल का मैदान 4. युद्ध क्षेत्र।

मैदानी वि. (फा.) 1. समतल भूमि वाला (कोई स्थान या क्षेत्र) 2. जो मैदान से संबंधित हो, मैदान का स्त्री. (देश.) मैदे का उठाया हुआ खमीर।

मैदा-लकड़ी स्त्री. (देश.) औषधि के काम आने वाली एक प्रकार की कोमल सफेद जड़ी।

मैन पुं. (तद्.) 1. कामदेव 2. मोम 3. धातुओं की मूर्तियाँ बनाने के पूर्व साँचे में ढालने के लिए प्रयुक्त राल मिश्रित मोम पु. (अं.) आदमी, मनुष्य।

मैनकामिनी स्त्री. (तद्.+तत्.) कामदेव की स्त्री, रति।

मैनफर पुं. (देश.) दे. मैनफल।

मैनफल पुं. (तद्.) एक मध्यम आकार का झाड़ीदार व कँटीला वृक्ष जिसके फूल पीलापन लिए हुए सफेद रंग के होते हैं तथा इसके फल का गूदा पीलापन लिए लाल रंग का व स्वाद में कड़ुआ होता है तथा औषधि के काम आता है।

मैनमय वि. (तत्.) जो अत्यधिक कामवासना से युक्त हो।

मैनर पुं. (देश.) दे. मैनफल।

मैनशिल स्त्री. (तद्.) दे. मैनसिल।

मैनसिल स्त्री. (तद्.) भूवि. नारंगी लाल रंग का एक खनिज पदार्थ या द्रव्य जिसे शोधकर दवा के काम में लाते हैं।

मैना स्त्री. (तद्.) एक प्रसिद्ध चिड़िया जो काले रंग की व पीली चोंच वाली होती है तथा मधुर स्वर में बोलती है। वह सिखाने पर मनुष्य की सी बोली भी बोलने लगती है, सारिका 2. सतभइया नामक पक्षी 3. हिमालय की पत्नी।

मैनाक पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक पर्वत जो मैना व हिमालय का पुत्र माना जाता है तथा इसे सुनाभ व हिरण्यनाभ भी कहते हैं, इसके

पंख इंद्र के हाथों काटे जाने से बच गए थे 2. हिमालय की एक चोटी 3. एक दानव।

मैनी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का कँटीला पेड़, मरुवक।

मै-परस्त पुं. (फा.) 1. मदिरा का प्रेमी 2. बहुत अधिक शराब पीने वाला।

मै-परस्ती स्त्री. (फा.) 1. अत्यधिक शराब पीना 2. मदिरा प्रेम।

मै-फरोश पुं. (फा.) 1. शराब बेचने वाला, मद्य व्यवसायी, कलवार।

मै-फरोशी स्त्री. (फा.) शराब बेचने का व्यवसाय, धंधा।

मैमंत वि. (तद्.) 1. मदोन्मत्त, मतवाला 2. अहंकारी, घमंडी स्त्री. ममता।

मैमनत स्त्री. (अर.) 1. संपन्नता 2. कल्याण 3. सुख।

मैमाता वि. (देश.) मैमंत, मदोन्मत्त, मतवाला स्त्री. मैमाती।

मैयत स्त्री. (अर.) 1. मृत्यु, मौत 2. शव 3. अन्त्येष्टि।

मैया स्त्री. (तद्.) माँ, जननी।

मैयार पुं. (देश.) एक प्रकार की बंजर भूमि।

मैर स्त्री. (तद्.) शरीर में साँप के काटने से फैले जहर के कारण रुक-रुक कर होने वाली कसक या पीड़ा।

मैरा पुं. (देश.) पक्षियों व पशुओं से रक्षा के लिए खेत में बनाई गई मचान।

मैरीन पुं. (अं.) 1. नौसेना 2. नौसैनिक वि. समुद्र संबंधी, समुद्री।

मैरेय स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की प्राचीन काल की मदिरा जो गुड़ और जौ के फूलों से बनती थी, शराब।

मैलंद पुं. (तद्.) भ्रमर, भौरा।

मैल पुं. (तद्.) 1. गंदा करने वाली कोई वस्तु जिसके पड़ने या लगने से दूसरी वस्तु अस्वच्छ